IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 6, Issue 3, January 2026
Impact Factor: 7.67

लोक साहित्य में भारतीय संस्कृति

डॉ. अल्पना मिश्रा

हिंदी विभाग

शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय (म.प्र.)

सारांश : (Abstract)

लोक साहित्य भारतीय संस्कृति का एक अभिन्न अंग है, जो जनसामान्य के जीवन, मान्यताओं, रीति-रिवाजों और मूल्यों को प्रतिबिंबित करता है। यह शोध पत्र लोक साहित्य के माध्यम से भारतीय संस्कृति की विविधता, एकता और विकास को करता है। लोक गीतों, कहानियों, कहावतों, लोक कथाओं और अन्य रूपों के विश्लेषण से पता चलता है कि लोक साहित्य न केवल सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करता है बल्कि सामाजिक परिवर्तनों को भी प्रभावित करता है। यह पत्र प्राचीन से आधुनिक काल तक के लोक साहित्य के उदाहरणों का उपयोग करते हुए संस्कृति के विभिन्न आयामों जैसे धार्मिक, सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय पहलुओं पर प्रकाश डालता है। शोध से निष्कर्ष निकलता है कि लोक साहित्य भारतीय संस्कृति की जीवंतता का प्रतीक है और आधुनिक संदर्भों में इसकी प्रासंगिकता बनी हुई है।

कीवर्ड्स : (Keywords)

लोक साहित्य, भारतीय संस्कृति, लोक गीत, लोक कथाएँ, सांस्कृतिक विरासत, जनमानस, रीति-रिवाज, सामाजिक मूल्य, मौखिक परंपरा, सांस्कृतिक एकता।

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in

DOI: 10.48175/IJARSCT-30905